भागीदारी वकेंद्रीकृत योजना के संदर्भ में ब्लॉक (पंचायत स मति) स्तर पर योजना की समझ

डॉ. पी.आर. शर्मा ,
(पंचायती राज के **ADVISOR**)

वकेंद्रीकरण की अवधारणाएं

- बेहतर आवंटी दक्षता **(allocation Efficiency)** के लए लोगों के निर्णय - लोग कन सेवाओं के लए भुगतान करते हैं (और वोट) करते हैं

- राजकोषीय तुल्यता **(fiscal equivalency)** का सद्धांत – यदि राजनीतिक क्षेत्रा धकार (jurisdiction) लाभ क्षेत्र के साथ मेल खाता है, तो सीमांत लाभ उत्पादन की सीमांत लागत (सेवा वतरण) के बराबर होता है - सार्वजनिक सेवाओं के इष्टतम प्रावधान में मदद करता है

- वकेंद्रीकृत प्रमेय **(theorem)** - प्रत्येक सार्वजनिक सेवा न्यूनतम भौगो लक क्षेत्र पर नियंत्रण रखने वाले क्षेत्रा धकार द्वारा प्रदान की जानी चाहिए जो इस तरह के प्रावधान के लाभ और लागत को आंतरिक करेगी

- सहायता का सद्धांत –कर लगाने, खर्च, नियामक अभ्यास सरकार के निचले स्तर द्वारा प्रयोग कया जाना चाहिए जब तक क वहां एक ठोस कारण उच्च सरकार को आवंटित करने के लए हो

योजना की अवधारणा

- योजना वकास के एक स्तर से उच्च स्तर पर जाने की एक प्र क्रया है जैसा क कुछ मानक ढांचे के अनुसार और स्थानीय संदर्भ में इसे प्राथ मकता देने के लए तय कया गया है ।
- प्रगति को आंकने के तरीके : (i) वषयगत क्षेत्र जिन पर वकास मापा जाता है, (ii) व भन्न श्रे णयों के लोगों में और (iii) व भन्न क्षेत्रों में
- सरकार आम तौर पर योजनाओं का निर्माण वषय/ वषयगत क्षेत्र के एक क्षेत्रा धकार तत्व के रूप में जिंमेदार , जवाबदेह के निर्वाहन के लये क अच्छी तरह करते है
- वे उन मामलों पर अपने अ धकार क्षेत्र में लोगों की स्थिति में सुधार कर सकते हैं, जिनके लए कोई अन्य सरकार जिम्मेदार है (उदाहरण के लए, केंद्र प्रायोजित कार्यक्रम ज्यादातर उन वषयों पर हैं जिन पर राज्य जिम्मेदार हैं ले कन केंद्र सरकार अपने संसाधनों का आवंटन करती है)
- योजना में वकास के कसी भी वषय (क्या) में सुधार करने के लए संसाधनों का आवंटन शा मल है(ii) लोगों के कुछ समूह (कसके लए) के लए होना चाहिए, (iii) एक क्षेत्रा धकार (कहां) के लए और कुछ प्र क्रया (कैसे) का पालन करना पड़ता है - ववेक का प्रयोग करके क्या वक सत करना है, कसके लए, कहां और कैसे।

वकेंद्रीकृत भागीदारी योजना के लए तर्क

- ❖ योजना वकास के कई आयामों में प्रगति के लए है जो दूसरे शब्दों में लोगों की व भन्न जरूरतों को पूरा करती है
- ❖ इसके अलावा, जरूरतों को टिकाऊ आधार पर पूरा कया जाना है - जिसका अर्थ है वकास की सही प्र क्रया:
- ❖प्र क्रया जन केंद्रित होनी चाहिए जिसमें लोग वकास का वषय हों न क वकास का उद्देश्य
  - i) इस तरह के वकास को सुगम बनाया जाना चाहिए ना की ऊपर से नियंत्रित कया जाना चाहिए
  - ii) वकास को सशक्त बनाना चाहिए और निर्भरता को कम करना चाहिए
  - iii) इस प्र क्रया को पहले प्रासं गक कारकों, अवसरों और बाधाओं के साथ समस्या को आंतरिक बनाने के साथ शुरू करना चाहिए और इस बात पर काम करना चाहिए क लोगों/सरकार के स्तर पर क्या कया जाना संभव है और फर लोगों/सरकार के पास जो कुछ नहीं है उसके लए समर्थन की तलाश है ।
  - iv) इस तरह का समर्थन - फंड, प्रौद्यो गकी, कौशल, क्षमता आदि है।

वकेंद्रीकृत भागीदारी योजना के लए तर्क

- ❖ योजना सरकार के पास उपलब्ध फंड के साथ कसी भी क्षेत्र में शुरू नहीं कया जा सकता
- ❖ इस लए, लोगों की समस्या/आवश्यकताओं को प्रारं भक गति व ध के रूप में आंका जाना चाहिए- उनकी समस्याओं का समाधान लोगों द्वारा (नो/लो कॉस्ट गति व धयां), (ii) जीपी, (iii) पीएस, (iv) जेडपी या (v) उच्च स्तरीय सरकार द्वारा कया जा सकता है ।
- ❖लोगों की आवश्यकता का आकलन करने के लए लोगों की भागीदारी, जिसे लोग वकेंद्रीकृत स्तर पर बाधाओं को कम कर सकते हैं और उनकी पहचान कर सकते हैं, यह प्रदान कर सकते हैं क लोगों की अपनी पहलों सहित सरकार का कौन सा स्तर कसी भी इलाके के सामने आने वाली समस्या का समाधान कर सकता है
- ❖ उस मामले में लोग योजना के मा लक बन जाते हैं न क लाभार्थी
- ❖लोगों को मैक्रो-इश्यू (एसडीजी) के बारे में जानकारी नहीं है या मुद्दों की कल्पना /मात्र नहीं कर सकते जैसे जलवायु परिवर्तन, आपदाएं आदि जिसके लए उच्च स्तर से इनपुट की आवश्यकता होती है ।
- ❖ योजना नीचे (grassroot) से शुरू करने के लए है, ऊपर (top level) के अच्छी सु वधा के साथ

योजना का एकीकरण और समन्वय

- जीपीडीपी उन मुद्दों के समाधान के लए तैयार और कार्यान्वित कया जाता है जो स्थानीय हैं और व भन्न सेवाओं को वतरित करने के लए जीपी की जिम्मेदारी रखते हैं
- पहचानी गई कई समस्याओं का जीपी स्तर पर समाधान नहीं कया जा सकता क्यों क- (i) हस्तक्षेपों की बाह्यता, (ii) अपर्याप्त संसाधनों या (iii) जीपी की क्षमता से अ धक उन्नत प्रौद्यो गकी की आवश्यकता ।
- उन कार्य को पीएस पर भेजा जाना है ता क व्यवहार्यता जांच की जा सके क उनके स्तर पर क्या ध्यान रखा जा सकता है
- पीएस को जीपीएस द्वारा उन्हें संद र्भत (i) समस्याओं के आधार पर योजना बनानी होती है (पीआरए टूल/सर्वेक्षण का उपयोग करके एकत्र कए गए प्राथ मक आंकड़ों के आधार पर, (ii) अपने सदस्यों द्वारा पहचानी गई समस्याएं, (iii) माध्य मक आंकड़ों का वश्लेषण, यदि संभव हो तो जीपी स्तर तक वच्छेदन के साथ,
- इसी प्रकार, जिन समस्याओं का समाधान पीएस स्तर पर नहीं कया जा सकता है, उन्हें जेडपी के पास भेजा जाना चाहिए और यदि आवश्यक हो तो जेडपी के माध्यम से राज्य स्तर पर भेजा जाना चाहिए ।
- जो कहा गया है वह आसान है, जो व भन्न स्तरों और व भन्न वभागों में उ चत समन्वय की आवश्यकता है ।

व भिन्न स्तरों की योजनाओं के एकीकरण की चुनौती

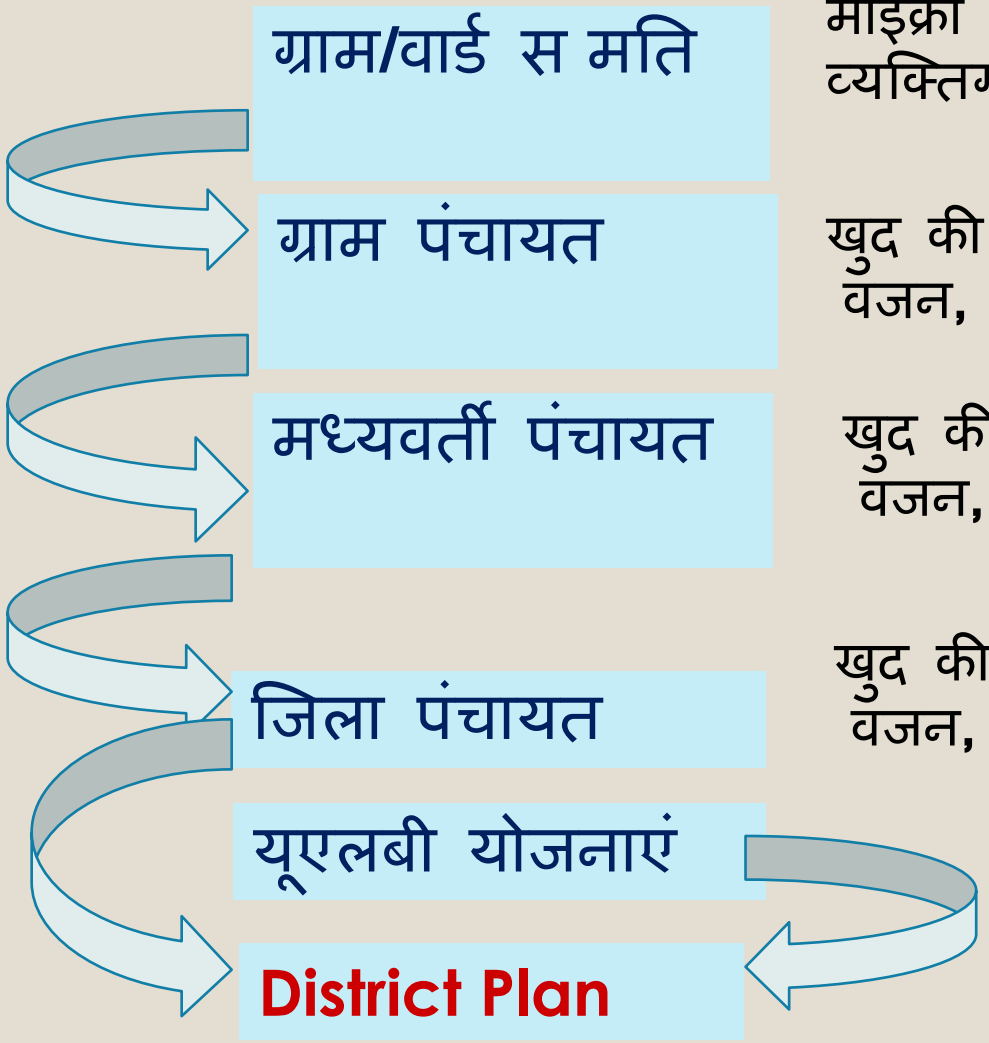

माइक्रो वजनिंग एंड प्लानिंग - दृष्टि को व्यक्तिगत/परिवार से जोड़ना

खुद की जिम्मेदारी, संसाधनों के लए लंक वजन, लक्ष्य और योजना तय करें

खुद की जिम्मेदारी, संसाधनों के लए लंक वजन, लक्ष्य और योजना तय करें

खुद की जिम्मेदारी, संसाधनों के लए लंक वजन, लक्ष्य और योजना तय करें

एकीकरण और समेकन

मध्यवर्ती पंचायतों द्वारा योजना का महत्व

- योजना बनाने के लए कानूनी जनादेश - सं वधान के तहत प्रदान कए गए आ र्थक वकास और सामाजिक न्याय के लए
- सभी लाइन वभागों के अ धकारियों की उपस्थिति: मध्यवर्ती पंचायत (आईपी या पीएस) ब्लॉक के साथ सहसंबद्ध होने के नाते, इसमें सभी महत्वपूर्ण वभागों के अ धकारियों की उपस्थिति है
- उच्च क्षमता जीपीडीपी की गुणवत्ता में सुधार और प्रासं गक लाइन वभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करने के लए इस्तेमाल कया जा सकता है/
- माध्य मक डेटा की उपलब्धता वश्लेषण करना आसान बनाता है और व भन्न सु वधाओं के प्रशासनिक क्षेत्रा धकार और सेवा क्षेत्रों के बीच बेमेल की समस्या आम तौर पर नहीं होती है - इस लए जीपीएस को योजना बनाने के लए ब्लॉक/जीपी स्तर के आंकड़ों के साथ संवेदनशील कया जा सकता है
- जीपीएस के कामकाज का अवलोकन करने के लए जनादेश – पीएस जीपीएस द्वारा योजना का अवलोकन करने और उच्च स्तर तक बड़े मुद्दों का ध्यान आक र्षत करने के लए एक महत्वपूर्ण स्तर पर खड़ा है

मध्यवर्ती पंचायतों द्वारा योजना में बाधाएं

- राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति की कमी के साथ-साथ पीएसडीपी के लए फ्रेमवर्क / गाइडलाइंस की कमी
- पीएस/ ब्लॉक की क्षमता पछले कुछ वर्षों में घट गई है और कई वभागों का मानना है क उन्हें स्वतंत्र रूप से काम करना चाहिए - नियंत्रण के बिना समन्वय कैसे सुनिश्चित कया जाए?
- कमजोर/कोई स्थायी स मतियां नहीं- संबं धत लाइन वभागों के अ धकारियों की भागीदारी के साथ निर्दिष्ट वषयों से निपटने के लए-संस्थागत तंत्र की कमी
- योजना प्र क्रया का मार्गदर्शन करने के लए सम र्पत तकनीकी मानव शक्ति की कमी
- पीएसएस के अपने स्रोत राजस्व के साथ-साथ योजना के लए हकदार नि ध की कमी

पीएस की अन्य बाधाएं

- पीएस पर शक्तियों/ जिम्मेदारियों का थोड़ा औपचारिक हस्तांतरण
- ब्लॉक अ धकारियों को आम तौर पर पीएस के अ धकारियों के रूप में कार्य करने के लए तैनात कया जाता है - इसके मुख्य संस्थागत कामकाज का ख्याल रखने के लए पीएस को परेशानी होती है
- पीएस के सदस्य वषयगत वषयों पर उन्मुख नहीं होते हैं जो लाइन वभागों के अ धकारियों द्वारा प्रशा सत होते हैं - इस लए समन्वय मुश्किल हो जाता है
- दिशा-निर्देशों की कमी/उ चत मान सकता कैसे लाइन वभागों की सेवाओं का उपयोग पीएस द्वारा कया जा सकता है, भले ही वे पीएस द्वारा प्रशासनिक रूप से नियंत्रित न हों
- स्पष्ट ड लवरेबल्स के साथ साक्ष्य के आधार पर वस्तुनिष्ठता के साथ योजना बनाने के लए डेटा का वश्लेषण करने के लए डेटा/क्षमता की कमी

पीएस स्तर पर साक्ष्य आधारित योजना

- पीएस को वकास के व भन्न वषयों पर ब्लॉक वार स्थिति संक लत करने और जीपीडीपी के लए प्राथ मक डेटा कैप्चर करने के लए जीपीएस का मार्गदर्शन करने के साथ-साथ पीएस को ब्लॉक डेटाबेस बनाने में मदद करने की क्षमता की आवश्यकता है
- राज्य को डाटाबेस के वकास में सहायता करने और डेटा संग्रह और प्रबंधन (डीआईएसई/एचएमआईएस/आईसीडीएस एमआईएस आदि) का ढांचा उपलब्ध कराने की जरूरत है ।
- स्थानिक योजना की कल्पना करने और अ भसरण में मदद करने के लए जीपीएस दिखा पीएस के स्थानिक नक्शे
- डेटा का वश्लेषण करने और एसडीजी संकेतकों पर स्थिति दिखाने वाली वकास स्थिति रिपोर्ट (डीएसआर) को संक लत करने के लए पीएस की निर्माण क्षमता- जो प्रगति की योजना और मापने के लए परिप्रेक्ष्य प्रदान करती है
- जीपीएस में प्रगति का यथासंभव वश्लेषण करें, वकास के प्रत्येक मद के लए जीपीएस रैंक करें और अ धक इक्विटी लाने और कुछ जीपीएस में बड़े अंतराल को पाटने के लए निवेश करें - इस तरह के वश्लेषण से जीपीडीपी की गुणवत्ता में भी सुधार होगा
- निर्माण क्षमता एक बड़ी चुनौती है

PSDP के लए Way Forward

- ❖ राज्य सरकार को व शष्ट अ धदेश देने के लए एनआईआरडीपीआर/एमओपीआर द्वारा तैयार दिशा-निर्देशों के आधार पर एक आदेश जारी करना होगा।
- ❖ मानव वकास और आजी वका के व भन्न महत्वपूर्ण पहलुओं के आंकड़ों के वश्लेषण और व्याख्या/एमएंडई/इंजीनियरिंग/आईटी/ व भन्न महत्वपूर्ण पहलुओं के लए क्षमता के साथ एक सम र्पत टीम की आवश्यकता
- ❖ सभी लाइन वभाग प्रत्येक ब्लॉक के लए अपनी जिम्मेदारियों के संबंध में प्रगति की स्थिति संक लत करने और स्थिति और उनकी प्राथ मकताओं को समझाने के लए जिला स्तर पर प्र शक्षण का आयोजन
- ❖ एक ल खत दस्तावेज के रूप में प्रत्येक पीएस के लए डीएसआर की तैयारी, जिसे सभी हितधारकों को साझा करने की आवश्यकता है
- ❖ मुद्दों को निष्पक्ष रूप से समझने के लए वभागीय अ धकारियों/ वशेषज्ञों/निर्वा चत पदा धकारियों की भागीदारी से प्रत्येक वषय पर वकास संगोष्ठी
- ❖ वकास की क मयों, प्राथ मकताओं की पहचान करें और संसाधन को भी बाहर निकालने का करें । ब्लॉक स्तर पर संस्थागत वत्त, कौशल वकास, आईईसी/एसबीसीसी की आवश्यकता की पहचान और हस्तक्षेप योजनाओं के साथ-साथ निगरानी का काम करना भी सार्थक होगा ।

धन्यवाद